

I	2	3	4	5	6	7	8
12.	मणिपुर	—	0.5	0.5	14.0	10.0	24.0
13.	मेघालय	—	0.5	0.5	—	4.5	4.5
14.	नागालैंड	—	0.5	0.5	—	5.0	5.0
15.	उड़ीसा	48.0	50.0	98.0	60.0	85.0	145.0
16.	पंजाब	22.0	55.5	77.5	29.0	60.0	89.0
17.	राजस्थान	55.0	17.0	72.0	40.0	34.0	74.0
18.	सिक्किम	—	0.5	0.5	—	1.0	1.0
19.	तमिलनाडु	13.0	11.0	24.0	5.0	15.0	20.0
20.	त्रिपुरा	—	नगण्य	—	—	3.0	3.0
21.	उत्तर प्रदेश	664.0	460.0	1124.0	394.0	510.0	904.0
27.	पश्चिम बंगाल	48.0	67.0	115.0	39.0	110.0	149.0
	जोड़-राज्य	1464.0	1098.5	2562.5	1353.0	1445.0	2798.0
	संघ राज्य क्षेत्र	—	1.5	1.5	—	5.0	5.0
	प्रखिल भारत	1464.0	1100.0	2564.0	1353.0	1450.0	2803.0
					धर्मांत 1350.0		धर्मांत 2800.0

राजस्थान में काली बंगा में खुदाई

853. श्री बोलसराम सारथ : क्या शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में काली बंगा के आस-पास खुदाई के दौरान मोहनजोदड़ों और हड़प्पा की सभ्यता से भी प्राचीन सभ्यता के अवशेषों का पता चला है और यदि हाँ, तो तत्सम्बन्धी खोज क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि यह क्षेत्र वैदिक काल की सुप्त नदी सरस्वती का क्षेत्र है जहाँ खण्डहारों के धनेक टीले हैं जिनका अभी तक उत्खनन नहीं किया गया है;

(ग) क्या यह भी सच है कि घग्घर नदी में बाढ़ आने और सुरसगढ़ के निकट भीलों तक पानी इकट्ठा होने के कारण यह क्षेत्र एक क्षील में परिवर्तित हो गया है और इसके परिणामस्वरूप ये पुराने महत्वपूर्ण अवशेष पानी जमा होने से मल्ट हो रहे हैं और उन्हें बचाने की कोई व्यवस्था नहीं है; और

(घ) क्या इस स्थानों की व्यापक खुदाई करने के बाद प्राप्त होने वाली प्राचीन वस्तुओं का संरक्षण करने और उन्हें प्रदर्शित करने के लिए सरकार सुरसगढ़ में संग्रहालय की स्थापना करने के कार्य को उचित समझती है ?

शिक्षा, समाज कल्याण और संस्कृति मंत्री (बा० प्रताप चन्द्र चण्ड) : (क) काली बंगा में 1960-69 के दौरान हुई खुदाई से दो सांस्कृतिक युगों के अनुक्रम का पता चला है, जिनमें से ऊपरी अनुक्रम सिन्धु घाटी की सभ्यता से सम्बन्धित है और निचला भाग पूर्वकालीन सांस्कृतिक चरण है, जिसे पूर्व हड़प्पा युग कहा जाता है। पूर्व हड़प्पा युग का निरयण एक प्राचीन मुक्त बस्ती करती है। यह प्राचीन और यहाँ के घर मिट्टी की ईंटों से बनाए गए थे। बस्ती के बाहर प्राप्त जुते हुए खेत की खोज, इस युग का एक महत्वपूर्ण प्रमाण है, जो कि वर्तमान प्रणाली के अनुक्रम हलरेखाओं की सीधी और झड़ी जुलाई पद्धति का परिचय कराती है। इस काल के सांस्कृतिक उपकरणों में मृत्वाण्ड, लघु धाकार के फलक, चक्की के पाट और तांबे की कुम्हारी सम्मिलित हैं। हड़प्पा युगीन एक नगर-भूरी के विन्यास का पता चला है, जिसमें एक बुराँ और एक निचला नगर सम्मिलित था। इस नगर के पश्चिम में श्री

दुर्ग के दक्षिण पश्चिम में एक समाधिस्थल था। इस काल के व्यवसायों से सम्बन्धित विशिष्ट प्रकार के हड़प्पा कालीन मृत्पात्र, मोहरें और अन्य वस्तुएं प्राप्त हुई हैं।

(ब) धानबेणों के पता बला है कि सिन्धु घाटी की सभ्यता के स्थल धग्धर नदी (प्राचीन सरस्वती) के, धब सूखे हुए तल के साथ साथ अवस्थित हैं।

(ग) मानसून के दौरान इस क्षेत्र में और अधिकांश रूप से नदी के प्राचीन तल में बाढ़ का पानी भर जाता है।

(घ) जी नहीं। किन्तु काली बंगा में एक संग्रहालय स्थापित करने का प्रस्ताव है जहाँ इस स्थल की खुदाई में प्राप्त वस्तुओं को प्रदर्शित किया जायेगा।

Effect of export of Shrimp

854. SHRI KUMARI ANANTHAN: Will the Minister of AGRICULTURE AND IRRIGATION be pleased to state:

(a) whether excessive concentration on the export of shrimps by 400 shrimp processing units including the multi-nationals engaged in sea-food trade has led to a severe crisis of impending closure; and

(b) if so, the steps being taken by the Government to encourage catching of cuttle fish, squid and frog legs etc.?

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND IRRIGATION (SHRI SURJIT SINGH BARNALA): (a) No, Sir. Although some processing units may be facing difficulties for procurement of raw material, there is no threat of a severe crisis.

(b) For exploitation of non-shrimp varieties, the Government are encouraging the industry to charter fishing vessels from other countries in the regions not exploited so far. Central assistance is being given to State Fisheries Corporations for diversified fishing for varieties other than shrimp. Export of these diversified products are also eligible for cash incentive.

Use of drugs among college and University students

855. SHRI SUKHDEO PRASAD VERMA:

SHRI SURENDRA JHA SUMAN:

Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the fact that drug abuse is more common among the college and University students in the country; and

(b) if so, what are the root causes that compelled students for such drastic action?

THE MINISTER OF EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE (DR. PRATAP CHANDRA CHUNDER):

(a) Recent studies indicate that drug abuse is not common among the college and university students but only some students use drugs.

(b) Curiosity, experimentation, depression and attempts to tide over critical situations have been reported as some of the common causes.

Grant-in-aid to Aided Schools in Delhi

856. SHRI K. A. RAJAN: Will the Minister of EDUCATION, SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Government aided schools in Delhi get their grants-in-aid in quarterly instalments;

(b) if so, whether it is a fact that accounts branch of the Education Directorate, Delhi take long time in clearing grant-in-aid papers resulting in delay in payment of salary to teachers; and

(c) if so, the details of the steps being taken to see that the amount is received by the schools in time?